Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

कोविड–19 से बचाव कार्यों में धन की कोई कमी नहीं

समीक्षा

■क्वारेंटाईन फेसिलिटी में सारी आवश्यक सुविधाएं और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए

जिला योजना से भी जिलों को पर्याप्त धनराशि कराई गई उपलब्धः सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य

संवाददाता

देहरादून। सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, अमित नेगी ने शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिग द्वारा प्रदेश में कोविड–19 की स्थिति की समीक्षा की। नेगी ने कहा कि कोविड–19 से बचाव कार्यों में धन की कोई कमी नहीं है। एसडीआरएफ, मुख्यमंत्री राहत कोष के साथ ही जिला योजना से भी जिलों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

क्वारेंटाईन फेसिलिटी में सारी आवश्यक सुविधाएं और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यहां रोके जाने वाले लोगों को जरूरी चीजों की कमी न हो। स्वच्छता का भी पूरा ध्यान रखा जाए। जिलों में क्वारेंटाईन सेंटरों की मानिटरिंग के लिए एडीएम स्तर के अधिकारी को नोडल बनाया जाए। क्वारेंटाईन सेंटर में क्या–क्या सुविधाएं होनी चाहिए, उसकी लिस्टिंग कर ली जाए।

सचिव नेगी ने कहा कि कोविड केयर सेंटर (सीसीसी) बहुत महत्वपूर्ण हैं। कोशिश की जाए कि यहां अधिक स्थान उपलब्ध हो। रेड जोन से आने वालों को संस्थागत क्वारेंटाईन किया जाना है। पर्वतीय जिलों में यथासंभव टेस्टिंग को बढाया जाए। इसके लिए बूथ फेसिलिटी भी विकसित की जा सकती है। प्राईवेट अस्पतालों का सहयोग लिया जाए।

सचिव नेगी ने कहा कि जितने कार्मिकों की आवश्यकता है, आउटसोर्सिंग से ले लिया जाए। इसमें विशेषज्ञ कार्मिकों की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाए। शासन स्तर पर सीसीसी, एमआईएस, लाजिस्टिक आदि के लिए नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। जिलों में भी नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए उन्हें सक्रिय किया जाए। जिलों में फील्ड लेवल पर जो भी कठिनाइयां आती हैं, शासन को उससे अवगत कराएं। नियमित रूप से इनपुट देते रहें। विभिन्न बिंदुओं पर डाटा संग्रहण किया जा रहा है। इस डाटा का विश्लेषण भी करें। इससे आगे की आवश्यकताओं के बारे में पता चलता है।

सचिव नेगी ने कहा कि हेल्थ स्टाफ को सुरक्षित रखना सर्वोच्च प्राथमिकता पर हो। उनके लिए व्यवस्थाएं फुल प्रूफ हों। सभी व्यवस्थाओं का निरंतर आंकलन करते हुए देखें कि कहां–कहां गैप हैं। इन गैप को दूर किया जाए। एमआईएस पोर्टल पर सारी जानकारियां देना सुनिश्चित किया जाए। वीडियो कांफ्रेंसिग में सभी जिलाधिकारियों ने अपना फीडबैक दिया।

बैठक में सचिव श्री दिलीप जावलकर, श्रीमती सौजन्या, श्री शैलेश बगोली, डॉ पंकज कुमार पाण्डे, आईजी संजय गुंज्याल सहित अन्य अधिकारी और जिलाधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

स्वास्थ शिविर में हुई ग्रमीणों के स्वास्थ की जांच

संवाददाता पिथौरागढ़। रेडक्रास सोसाइटी व चिकित्सा विभाग के सौजान्य से विकासखंड मुंसयारी के दूरस्थ गांव बांसगड क्षेत्र में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बता दें कि गांव के ग्रमीणों के स्वास्थ के परीक्षण करने के साथ ग्रमीणों की थर्मल स्क्रीनिंग भी की गई। शिविर में दूर दूराज के गांवों के ग्रमीण मौजूद रहे।

गृह क्षेत्र को रवानगी करने से पहले देना होगा फिटनेस प्रमाण पत्र

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले मेंअब तक चौबीस हजार लोग लोटे है। वही करीबन पन्द्रह हजार लोग जनपद सेबाहर भी जा चुके है। बता दें कि बाहर जाने वाले प्रवासी मजदूरों की काफी तादात है। वही अब तक बिहार यूपी के साथ ही नेपाल के प्रवासी बडी संख्या में लोटे है। वही बग जिले ेबाहर जाने वाले प्रवासी को अब थर्मल स्क्रीनिंग भी अवश्य करानी होगी। वही इसके लिए काफी संख्या में लोग आवेदन करने लग गये है। वही स्क्रीनिंग कराने आने वालों ने शारिरिक दूरी का पालन भी किया। स्वास्थ विभाग का कहना है कि बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के कोई भी अपने घर नही लौट पायेगा।

भ्रमक समाचार फैलाने पर हुई कारवाई

संवाददाता पिथौरागढ। बेरीनाग के कुछ शरारती युवकों द्वारा सोशल मीडिया में कोरोना पाजिटिव युवक की मौत की खबर फैलाने पर थाना बेरीनाग में चारों व्यक्तिओं के विरूद्व बीते सांय पांच हजार रूप्ये के चालान करने के साथ ही विभिन्न धाराओं में कड़ी कारवाई करने के समाचार मिले है। वही पुलिस प्रशासन द्वारा इस खबर का खण्डन भी किया गया।

गंगा से रेस्क्यू कर निकाले गये घायल हाथी की मौत, हड़कम्प

संवाददाता हरिद्वार। चीला के राजाजी टाइगर रिजर्व में दो हाथियों के बीच हुए संघर्ष में घायल टस्कर हाथी की देर रात मौत हो गयी थी। जिससे वन विभाग व राजाजी टाइगर रिजर्व अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। दून में बैठे दोनों विभागों के आलाधिकारी हरिद्वार पहुंचे और घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा हैं कि मृत हाथी का पोस्टमार्टम के पश्चात उसको दफनाया जाएगा। घायल हाथी के मौत की सही वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चलेगा। बताते चले कि मंगलवार की तड़के वन विभाग व राजाजी टाइगर रिजर्व अधिकारियों को सूचना मिली कि ठोकर नम्बर 01 के पास चिला के जंगल की ओर से गंगा पार करते हुए एक हाथी आबादी क्षेत्र सप्तद्दषि की ओर आ रहा है।

चेनई श्रमिक स्पेशल ट्रेन से 875 प्रवासी हरिद्वार पहुंचे

हरिद्वार से बिहार श्रमिक स्पेशल ट्रेन से 432 प्रवासी हुए रवाना

संवाददाता हरिद्वार। चेनई श्रमिक स्पेशल 12 वीं ट्रेन 875 प्रवासियों को लेकर बुधवार की सुबह 12–30 बजे हरिद्वार रेलवे स्टेशन पहुंची। चेनई से आने वाले प्रवासियों का रेलवे स्टेशन पर ताली बजाकर स्वागत किया। हरिद्वार पहुंचने वाले प्रवासियों में 25 प्रवासी यूपी और एक हिमाचल प्रदेश का प्रवासी भी शामिल है। जबकि इस ट्रेन से हरिद्वार पहुंचने वाले 1400 प्रवासियों ने रजिस्ट्रेशन कराया गया था, हरिद्वार पहंचने वाली ट्रेन के कई कोच खाली पहुंचे। हरिद्वार पहुंचने वाले प्रवासियों को सोशल डिस्टेसिंग के जरिये सत्यापन कराते हुए, नश्ता देकर चार जनपदों को छोड कर अन्य जनपदों के प्रवासियों को उनके गृह जनपदों की ओर रवाना किया। वहीं दूसरी देहरादून से बिहार के किशनगंज के लिए रवाना हुई बिहार श्रमिक स्पेशल ट्रेन में छः कोच हरिद्वार से लगाते हुए उनमें 432 प्रवासियों को बिहार के लिए रवाना किया गया। बताते चले कि प्रवासियों को लेकर हरिद्वार पहुंचने वाली चेनई श्रमिक स्पेशल 12वीं ट्रेन 875 प्रवासियों को लेकर हरिद्वार पहुंची। जिसका हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर ताली बजाकर स्वागत किया गया। हरिद्वार पहुंचने वाले प्रवासियों का सोशल डिस्टेसिंग के जरिये उनका सत्यापन कराया गया। चार जनपदों के प्रवासियों को शहर के विभिन्न क्षेत्रें में क्वांरटाइन किया गया है। जबकि यूपी व हिमाचल प्रदेश के प्रवासियों को राहत शिविर भेजा गया है। वहीं दूसरी ओर देहरादून से बिहार जाने वाली बिहार श्रमिक स्पेशल ट्रेन हरिद्वार से दोपहर 2–50 बजे बिहार के लिए रवाना हुई।

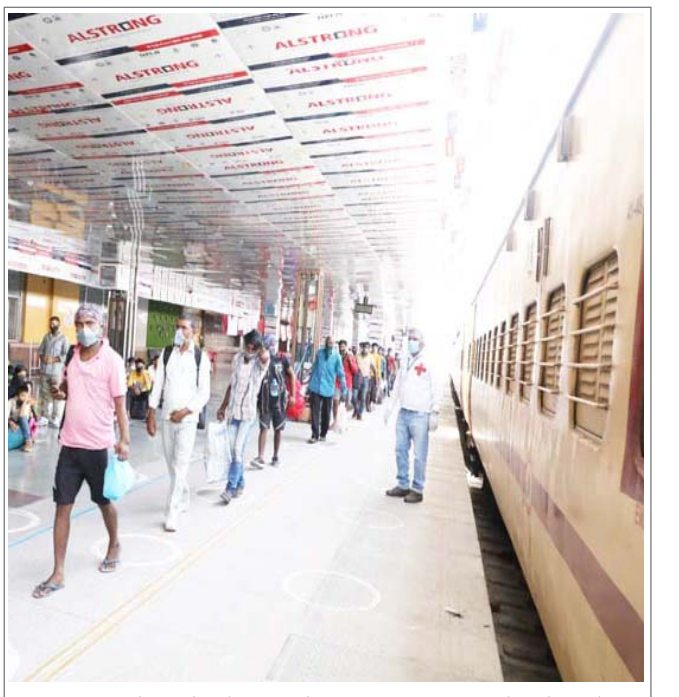

बिहार श्रमिक स्पेशल ट्रेन देहरादून से बनकर चली, हरिद्वार से जुड़े 6 कोच।

आल वेदर रोड की कठिन चटटान का कटिंग काम शुरू

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

■रात्रि आठ बजे से सुबह के पांच बजे तक वाहनों का संचालन होगा बंद

पिथौरागढ़। आल वेदर रोड की सबसे कठिन चट्टान की कटिंग अब शुरू हो चुकी है। वही जिले में काई खतरा न हो इसके लिए रात्रि में वाहनों के आगमन में रोक लगा दी गई है। अब इलाके के लोगों को गंभीर परेशानी होने पर बाया सेराघाट से होकर आवागमन करना पड़ेगा।

जानकारी के मुताबिक आल वेदर रोड में गुरना मंदिर के निकट काफी कठोर व खडी चटटानें है। सौ मीटर चटटान के दायरे में फैली इन चट्टानों के समीप एनएच काफी कम चौड़ा है। प्रसिद्व देवी माता का मंदिर गुरना देवी भी यही पर पड़ता है।

बता दें कि एनएच के पास चट्टान कटिंग के समय यातायात को सुचारू रखने के साथ मंदिर की सुरक्षा रखना चुनौती है। विभाग ने फैसला किया है कि चट्टान कटिंग का काम देर रात में शुरू किया जाय। विभाग ने बताया कि अब रात के आठ बजे से सुबह के पांच बजे तक एनएच में चट्टान कटिंग के काम के चलते वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने के समाचार मिले है।

विभाग का कहना है कि वे जल्द से जल्द एनएच के काम को पूरा करने के मूड में है। अब जहां गुरना में चटटान कटिंग का कार्य यथासमय पर पूरा कर लिया जायेगा तो उसके बाद पिथौरागढ़ से घाट तक चौड़ाई भी बढ़ जायेगी। जब तक चट्टान कटिंग का काम जोरों पर चल रहा है वही ऐसी स्थिति में इलाके के लोगों को आकस्मिक परेशानी न हो इसके लिए एनएच प्रभारी ने बाया सेराघाट से वाहन चालकों को जाने की हिदायत दी है।

सहयक अभियंता पीएल चौधरी ने कहा कि गुरना क्षेत्र में चटटान कटिंग का काम शुरू कर दिया गया है। मदिर की सुरक्षा को ध्यान में रखकर चट्टान कटिग का काम देर रात कराये जाने के उन्होने संकेत दिये। रात्रि में बोल्डर इत्यादि गिरने के भय से आवागमन पर रोक लगाने के प्रयास किये गये है।

डेंगू पनपने और फैलने से रोकना हमारी प्राथमिकताः डीएम

संवाददाता हरिद्वार। वैक्टर जनित रोग डेंगू के नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी सी. रविशंकर ने स्वास्थ्य विभाग सहित शिक्षा, बाल विकास, जिला पंचायती राज विभाग एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ कलक्ट्रेट सभागार में बैठक कर डेंगू रोग नियंत्रण पर नयी रणनीति पर विस्तृत चर्चा करने के साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्रशसन तथा स्वास्थ्य विभाग की रणनीति केवल डेंगू नियंत्रण था, जबकि इस बार परिदृश्य अलग है। डीएम ने कहा कि इस वर्ष डेंगू रोग का इलाज करने से ज्यादा डेंगू पनपने और फैलने से रोकना हमारी प्राथमिकता है। कोविड 19 के चलते समस्त संसाधान कोविड नियंत्रण में लगा देने से डेंगू संक्रमण के लिए संसाधनों का अभाव हो सकता है, इसलिए जून माह की पहली तारीख से ही स्वास्थ्य और सम्बंधित विभाग जो कोविड 19 के सर्वे कार्यो को कर रहे हैं, वह सभी टीम कंटेनमेंट जोन में कोविड के साथ–साथ निर्धारित प्रारूप पर डेंगू सर्वे भी आरम्भ करेंगी। इस बार किसी भी कर्मी की डेंगू कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।